शिक्षा का अधिकार

R.N.I. No.-UTTHIN/2014/59625

वर्ष 10 अंक 24 हरिद्वार, मंगलवार 10 सितम्बर 2024 पाक्षिक मूल्य 2.00 रुपया पृष्ठ 4

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को किया शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से सम्मानित

विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षक वास्तव सम्मान के अधिकारी हैं: राज्यपाल

देहरादून(शिक्षा का अधिकार)। ''शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार'' सम्मान समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वर्ष 2023 में शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कारों के लिए चयनित शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित सम्मान समारोह में वर्ष 2023 के लिए चयनित 19 शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों एवं दुर्गम क्षेत्रों में विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षक वास्तव सम्मान के अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि ''मैं शिक्षा के क्षेत्र में आपकी सेवाओं और प्रतिबद्धता के लिए प्रदेशवासियों की ओर से आपका आभार व्यक्त करता हूँ''। राज्यपाल ने कहा कि गुरु का स्थान सबसे ऊपर है। राज्य शैक्षिक पुरस्कार से चयनित उत्कृष्ट शिक्षक अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज के दिन, विशेष रूप से, हर व्यक्ति को अपने विद्यार्थी जीवन की अवश्य ही याद आती है और अपने शिक्षक भी याद आते हैं। अपने गुरुओं को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि गुरुओं द्वारा दिया गया ज्ञान आज भी मार्गदर्शन और प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने कहा कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विश्व गुरु और विकसित भारत बनाने की दिशा में शिक्षकों की अहम भूमिका होगी। शिक्षकों से कहा बच्चों के सर्वांगीण विकास का दायित्व आप सभी के कंधों पर ही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गुणवत्तापरक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ ही नवीन टेक्नोलॉजी को अपनाना जरूरी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन शिक्षकों के प्रति आदर सम्मान प्रकट करने का दिन है। आज के दिन सम्मानित हो रहे शिक्षकों ने समाज में ज्ञान का संचार एवं अपने अनुभव और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के जीवन को आकार देने का कार्य किया है। भारतीय संस्कृति में गुरु का सर्वोच्च स्थान होता है। शिक्षक हर स्थिति में अपने विद्यार्थी को मार्गदर्शन देने का कार्य करता है। गुरु ही अपने प्रकाश से अंधकार की अज्ञानता को दूर करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन इतिहास में गुरु शिष्य परंपरा का उल्लेख मिलता है। शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षक अन्य लोगों को भी प्रेरणा देंगे एवं समाज के लिए रोल मॉडल हैं। गुरु का कार्य शिक्षा देने के साथ ही अपने शिष्य के व्यक्तित्व का निर्माण, अनुशासन एवं समाज के प्रति भावनाओं को जागृत करना भी है। वर्तमान समय में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता है। धीरे-धीरे समाप्त हो रहे मूल्यों को पुनः जागृत करने का जिम्मा भी गुरुओं का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल युग में शिक्षकों की भूमिका और बढ़ गई है। तकनीकी विकास और वैश्वीकरण के दौर में शिक्षक, छात्रों को संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा राज्य के विकास और नौनिहालों के भविष्य को बनाने में राज्य सरकार शिक्षकों की हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

- **वर्तमान समय में गुणवत्तापरक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ ही नवीन टेक्नोलॉजी को अपनाना जरूरी है: राज्यपाल**
- **मुख्यमंत्री ने शैलेश मटियानी पुरस्कार के तहत मिलने वाली धनराशि को दस हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपये किए जाने की घोषणा की**
- **शिक्षकों ने समाज में ज्ञान का संचार एवं अपने अनुभव और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के जीवन को आकार देने का कार्य किया है: मुख्यमंत्री**
- **राज्य के विकास और नौनिहालों के भविष्य को बनाने में राज्य सरकार शिक्षकों की हर संभव मदद करेगी: सीएम**

द विनिंग एज संस्था के स्थापना दिवस जागरूकता पखवाड़े का समापन

हरिद्वार (शिक्षा का अधिकार)। सामाजिक चेतना के कार्यों में संलग्न द विनिंग एज संस्था के 11वें स्थापना दिवस पर आयोजित जागरूकता पखवाड़े का आज समापन हो गया।

इस अवसर पर प्लास्टिक मुक्त समाज का संकल्प लेते हुए संस्था द्वारा सतनाम साक्षी घाट पर बांस से बने टूथब्रश का वितरण किया। द विनिंग एज संस्था ने अपने 11वें स्थापना दिवस पर आयोजित जागरूकता पखवाड़े का शुभारम हरिराम आर्य इंटर कॉलेज से किया गया था। कार्यक्रम का शुभारम्भ बच्चों को सूक्ष्म व्यायाम एवं प्राणायाम कराकर किया गया था। इस बीच स्किल सेंटर पर प्रतिभा कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसी कड़ी में आज जागरूकता पखवाड़े के अंतिम दिवस संस्था के स्वयं सेवियों ने सतनाम साक्षी घाट पर अवेयरनेस कैंप लगाया। मॉर्निंग वाक के लिए गुजर रहे राहगीरों को बांस से बने इकोफ्रेंडली ब्रश का निःशुल्क वितरण किया गया। संस्था कि और से सम्बोधित करते हुए श्रीमती पूजा वालिया एवं मंजू मेहता ने कहा कि आज कि युवा पीढ़ी देर तक सोना, सुबह लेट उठना एवं नशा आदि कि और आकर्षित हो रही है जो बहुत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का बहुतायत में प्रयोग अत्यंत हानिकारक है। हम यदि दैनिक इस्तेमाल कि प्लास्टिक से बनी चीज को छोड़ने का संकल्प लें तो यह बड़ा कदम होगा। दीप्ति श्रीमाली ने लोगो का आह्वान किया कि वह अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। किटी सपरा ने इस अवसर पर प्रचार सामग्री एवं टूथब्रश का वितरण किया। संस्था के प्रयासों कि राहगीरों ने प्रशंसा की। संस्था के सदस्य डॉ- शिवा अग्रवाल ने प्लास्टिक के नुकसान पर चर्चा की।

पाक्षिक **शिक्षा का अधिकार**
हरिद्वार, मंगलवार 10 सितम्बर 2024

सम्पादकीय

शिक्षक के प्रति समाज की अपेक्षाएं नहीं बदलीं

शिक्षा ही किसी व्यक्ति को संस्कारशील, विचारशील और चेतनाशील बनती है। शिक्षा ही व्यक्ति को दुनिया देखने की दृष्टि प्रदान करती है, उसे अच्छे बुरे की पहचान कराती है। सही मायने में शिक्षा ही किसी व्यक्ति को मानव बनाती है। इसीलिए भारतीय संस्कृति में शिक्षा को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है। प्राचीन काल में शिक्षक को गुरु कहा जाता था। कालांतर में समय परिवर्तन के साथ गुरुकुल, गुरु और शिष्य के मायने भी बदल गए हैं। अब गुरुकुल की जगह स्कूल-कॉलेजों ने ले ली है। कल का शिष्य आज का छात्र बन गया है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त कर येन-केन प्रकारेण डिग्री हासिल करना ही रह गया है। ऐसी डिग्री जिसके सहारे वह कोई नौकरी प्राप्त कर सके। गुरु भी अब वेतनजीवी शिक्षक बना दिया गया है। आज सब कुछ बदल गया, लेकिन शिक्षक के प्रति समाज की अपेक्षाएं नहीं बदलीं। आज भी शिक्षक को राष्ट्र निर्माता माना जाता है। उसे नई पीढ़ी का निर्माण करने वाला माना जाता है। उसे जीवन मूल्यों का रक्षक कहा जाता है। यह माना जाता है कि वह सभी तरह की नैतिकताओं का पालन कर समाज के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत करे। वह 'सादा जीवन और उच्च विचार' की प्रतिमूर्ति हो। हम रह चाहे 21वीं शताब्दी में रहे हों पर चाहते हैं कि शिक्षक आज भी गुरुकुल व्यवस्था का शिक्षक बना रहे। दुनिया में सभी कुछ बदल जाए किंतु शिक्षक को नहीं बदलना चाहिए। शिक्षक समाज की इन्हीं भारी भरकम अपेक्षाओं के तले दबा जा रहा है। एक तरफ समाज की अपेक्षाएं हैं और दूसरी तरफ कड़वी हकीकत। दोनों में इतना अंतर है कि शिक्षक बीच में फंस कर रह जाता है। हकीकत में आज का शिक्षक समाज का सबसे निरीह व्यक्ति है।

खनन की पर्चियाँ काटने के बाद स्कूल आता था प्रद्युमन

मौका मिला तो आया अव्वल.....

डॉ. शिवा अग्रवाल

यह कहानी उस गरीब बच्चे की है जो अपने पिता के साथ मजदूरी, नदी पर खनन की पर्चियाँ काटा करता था। बच्चे में बहुत सम्भावना थी, गणित उसका पसंदीदा विषय था पर उसका स्कूल में रुकना मुश्किल हो रहा था। विद्यालय स्तर पर उसके साथ प्रयास किये गए जिसके सकारात्मक परिणाम आये। एक शैतान बच्चा जो कभी कभी स्कूल आता था अपनी कक्षा का टॉपर बना। सुबह अपने पिताजी के काम में हाथ बंटाना फिर स्कूल आना ओर आधी छुट्टी में बच्चों को गिफ्ट ओर टॉफी बेचकर पैसे कमाना उसकी दिनचर्या थी।

अन्य बच्चों की तरह प्रद्युमन भी अपने पिता के साथ दिनांक 18 मई 2010 को विद्यालय में प्रवेश के लिए आया। हमारे लिये जानने की बात यह थी कि प्रद्युमन के पिता ने कहा कि उनके बच्चे को कक्षा 4 में प्रवेश देना है। कक्षा 4 में प्रवेश का मतलब छात्र पहले कहीं पढ़ा है तथा वहां से इस विद्यालय में उसके अभिभावक उसका दाखिला क्यों कराना चाहते हैं यह भी सवाल था। बहरहाल प्रद्युमन को कक्षा 4 में प्रवेश दे दिया गया तथा धीरे-धीरे पता चला कि वह एक अत्यन्त शैतान बच्चा है तथा हर वक्त खेल में उसका दिमाग रहता है। उसकी रोज दिन की शिकायतों से तंग आकर ही उसके पिता ने पुराने स्कूल से उसका नाम कटवाकर यहां दाखिला दिलाया ।

इस दौरान तमाम प्रयासों के बात प्रद्युमन नहीं सुधरा तथा 25 फरवरी 2011 को उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वाकर उसे अपने साथ खनन के काम में लगा लिया। प्रद्युमन का नाम शाला त्यागी बच्चों में आने लगा। बच्चे का शैतान होना एक अलग मसला है परन्तु इसी आधार पर वह स्कूल से दूर हो जाए यह बात न्यायसंगत नहीं है। यही सोच विचार कर एक दिन विद्यालय जाने से पहले मैं अपने साथी शिक्षक के साथ नदी के पास पहुँच गया। देखा तो किनारे पर एक बच्चा नींद से टूल रहा है। उसका पैन निचे गिरा पड़ा है ओर एक रसीद बुक उसके हाथ में है। अरे ये तो अपना प्रद्युमन ही है। हमने उसको जगाया तो पता चला की वह सवेरे चार बजे से यहीं है। हमने उससे स्कूल न आने का कारण पूछा तो उसने नींद का पूरा ना होना एवं यहाँ पर्चियाँ काटना बताया। हमने प्रद्युमन को समझाया ओर अगले दिन उसको देर से ही सही स्कूल आने को कहा। स्कूल के प्रयासों से उसे 31 जुलाई 2012 को पुनः कक्षा 5 में प्रवेश दिया गया तथा अतिरिक्त प्रयास किये गये। हमने प्रद्युमन को कुछ स्कूल की जिम्मेदारी सौंपी ओर कहा की वह अपना काम निपटाकर स्कूल प्रतिदिन अवश्य आये। प्रद्युमन ने बात मान ली तथा वह पिताजी का काम निपटाकर कभी दूसरे तो कभी तीसरे पीरियड में स्कूल आने लगा। हमने प्रद्युमन को अतिरिक्त समय देना शुरू किया। वह बच्चा इतना उत्साही था की कोई भी चीज एकदम सीख लेता था। इसी के साथ वह बच्चों के बीच भी काफी लोकप्रिय था। इसका कारण उसका पिटारा था जिसको वह इंटरवल में खोलता था। खाने के सामान एवं गिफ्ट आदि बेचकर व काफी पैसे एकत्र कर लेता था। मुझे इस बात की खुशी थी की जो भी है कम से कम वह स्कूल तो आ रहा है। इन सभी प्रयासों के परिणाम आशा से भी बढ़कर आए। कक्षा 5 की परीक्षा में प्रद्युमन ने कक्षा में सबसे ज्यादा नंबर प्राप्त किये ओर टॉप पर रहा। संकुल प्रभारी ने बताया की उसके संकुल स्तर पर भी सर्वाधिक नंबर हैं। उस वक्त संकुल स्तर पर परीक्षाफल देखा जाता था। विद्यालय का नाम तो रोशन हुआ ही साथ ही छात्र की बहुमुखी प्रतिभा निखरकर सामने आई तथा वह अन्य बच्चों का रोल मॉडल बन गया। कभी कभी हम परिस्थितियों को देखकर अतिरिक्त प्रयास नहीं करते। हर बार प्रयास सफल ही हों यह आवश्यक नहीं पर एक सफल प्रयास बहुत ऊर्जा देता है। एक शाला त्यागी (ड्राप आउट) बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा में फिर से शामिल हुआ ओर वो भी उम्दा प्रदर्शन के साथ।

शिक्षक दिवस पर राजकीय महाविद्यालय पोखरी क्वाली में छात्र-छात्राओ के अनेकों कार्यक्रम किए आयोजित

टिहरी(शिक्षा का अधिकार)। टिहरी जिले के शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी पट्टी क्वीली में महाविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद की संयोजिका डॉ0 वंदना सेमवाल द्वारा प्रशिक्षित छात्र-छात्राओ ने शिक्षक दिवस पर अनेकों सांरकृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया यह दिन अपने शिक्षकों के समर्पण, मार्गदर्शन व योगदान के प्रति आभार प्रकट करने का दिन है। यह दिन गुरु और शिष्य के रिश्ते के लिए बेहद खास होता है। इसी को परिलक्षित करते हुए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओ ने अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए, छात्र-छात्राओ द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शशि बाला वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित करवा कर सुरु किया, इस मौके पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र छात्राओं द्वारा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गये। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा गढ़वाली, राजस्थानी, पंजाबी नृत्य गीत कविताओं भाषण,शेरो शायरी इत्यादि द्वारा विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। प्राचार्य

डॉ शशि बाला वर्मा ने छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने के साथ-साथ अनुशासन, निरंतर पठन पाठन व अपने मुकाम को हासिल करने के लिए मेहनत करते रहने को कहा। महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा संस्कृत विषय में आये नवीन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गणेश भागवत का महाविद्यालय परिवार में स्वागत किया गया। कार्यक्रम आयोजन में प्रतिभागी छात्रों में जास्मिन, शिवानी, अंजना, मानसी, सावित्री, काजल, मिनाक्षी,पूनम, किरन आदि छात्र-छात्राओं ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी महाविद्याल के छात्र-छात्राओं में मनीषा, काजल, पूजा, अंजना, किरण निकिता आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बी ए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा पूजा द्वारा किया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक सरिता सैनी, डॉ गणेश भागवत, डॉ मुकेश सेमवाल, एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी अमिता, अंकित सैनी, नरेन्द्र बिजल्वाण समस्त कर्मचारी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की एक महान परंपरा : प्रो. रावत

शिक्षक दिवस पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

(शिक्षा का अधिकार)

ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, पण्डित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश में भारतीय ज्ञान परम्परा उत्कृष्टता केंद्र के तत्वाधान में गुरु-शिष्य परंपरा- भारतीय संस्कृति की धरोहर विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित की गयी7 सेमिनार का शुभारम्भ परिसर निदेशक प्रो एम एस रावत, संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो जी के धींगरा, संकायाध्यक्ष कला प्रो डी सी गोस्वामी, वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो कंचनलता सिन्हा, सेमिनार की संयोजक प्रो कल्पना पन्त, सहसंयोजक प्रो पूनम पाठक, आयोजक सचिव डॉ गौरव वार्ष्णेय ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

भारतीय ज्ञान परम्परा उत्कृष्टता केंद्र की निदेशक एवं सेमिनार की संयोजक प्रो कल्पना पन्त ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारत की प्राचीनतम शिक्षण पद्धति है, जो ज्ञान के व्यक्तिगत और सामाजिक महत्व पर आधारित है परंपरा में गुरु एक मार्गदर्शक, शिक्षक और आदर्श होते हैं, जो शिष्य को न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि उसे जीवन के हर पहलू में नैतिकता और धर्म का पालन सिखाते हैं। शिष्य, पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ अपने गुरु से ज्ञान प्राप्त करता है।

प्राचीन काल में, भारत में तक्षशिला, नालंदा, और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों के बावजूद शिक्षा का मूल केंद्र गुरुकुल ही था। गुरुकुलों में शिष्य न केवल शास्त्र और विज्ञान का अध्ययन करते थे, बल्कि जीवन के व्यावहारिक पक्षों, जैसे नैतिकता, अनुशासन, और सामाजिक जिम्मेदारियों की भी शिक्षा पाते थे परंपरा वैदिक काल से ही चली आ रही है, जिसमें ऋषि-मुनियों ने अपने आश्रमों में शिष्यों को व्यक्तिगत रूप से शिक्षा दी थी सेमिनार के आयोजक सचिव डॉ गौरव वार्ष्णेय ने सेमिनार की रुपरेखा प्रस्तुत की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक प्रो एम एस रावत ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की एक अनमोल धरोहर है, जो सदियों से ज्ञान के आदान-प्रदान और शिक्षा के मूल सिद्धांतों को सहेजे हुए है। गुरु भारतीय जीवन दर्शन में एक ऐसा आदर्श व्यक्तित्व है, जिसे भगवान से भी ऊंचा स्थान दिया गया है गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु, गुरुर्देवो महेश्वर श्लोक में यह स्पष्ट किया गया है कि गुरु को त्रिमूर्ति के रूप में देखा जाता है, जो सृष्टि की रचना, पालन और संहार के तीनों रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुरु की भूमिका केवल एक शिक्षक की नहीं होती, बल्कि वह शिष्य के जीवन का सम्पूर्ण मार्गदर्शन करता है। प्रो रावत ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो ज्ञान, नैतिकता और जीवन मूल्यों की शिक्षा देती है। हमें इस परंपरा को न केवल सहेजकर रखना है, बल्कि इसे अपने जीवन में आत्मसात भी करना है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस महान परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं, ताकि वे भी इसका लाभ उठा सकें। सेमिनार के आमंत्रित वक्ता भूगोल विभाग के प्रो ए पी दुबे ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान भारतीय दार्शनिक, शिक्षक, और राजनेता थे, जिन्होंने भारतीय शिक्षा और दार्शनिक चिंतन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनके विचार और व्यक्तित्व ने भारतीय शिक्षा और समाज पर गहरा प्रभाव डाला। उनका जीवन और योगदान एक प्रेरणादायक कहानी है, जो आज भी शिक्षा और नैतिकता के प्रति लोगों को जागरूक करता है द्वितीय आमंत्रित वक्ता राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो हेमलता मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य का संबंध केवल शिक्षा देने और प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह एक आत्मीय, गहरा और पवित्र संबंध है। गुरु को भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च स्थान दिया गया है, क्योंकि वह शिष्य को न केवल अकादमिक ज्ञान देता है, बल्कि जीवन जीने की कला, नैतिकता और आध्यात्मिक मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

सेमिनार में उपस्थित प्रतिभागियों को विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो जी के धींगरा, कला संकायाध्यक्ष प्रो डी सी गोस्वामी, वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो कंचनलता सिन्हा, डीन छात्र कल्याण प्रो पी के सिंह भूगोल विभाग की डॉ अरुणा सूत्रधार तथा हिन्दी विभाग के प्रो अधीर कुमार ने भी सम्बोधित किया7 सेमिनार में मनीषा रांगड़, उद्धव भट्ट, आयुष कठैत, आयुषी कपरवाण, कंचन रावत, आयुष सिंह नेगी, पियाली, पूजा रावत, अभिषेक भंडारी, साक्षी कठैत आदि छात्र छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये7 सेमिनार की सहसंयोजक तथा भारतीय ज्ञान परम्परा उत्कृष्टता केंद्र की उपनिदेशक प्रो पूनम पाठक ने सभी का आभार व्यक्त किया7 इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो संगीता मिश्रा ने सेमिनार का संचालन किया।

राज्यपाल ने निजी एवं राजकीय विश्वविद्यालयों के आपसी समन्वय पर जोर दिया

राज्यपाल ने निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ की बैठक, प्रदेश के विकास एवं प्रगति में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका: राज्यपाल

देहरादून(शिक्षा का अधिकार)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को राजभवन में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी निजी एवं राजकीय विश्वविद्यालयों के आपसी समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी होने के बजाय एक दूसरे की उपलब्धियों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। विश्वविद्यालयों के शोध एवं नवाचार का लाभ प्रदेश के साथ-साथ देश को मिले और वे एक-दूसरे से अनुभवों का लाभ लें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से अपेक्षा की कि वे उत्तराखण्ड के मोटे अनाजों (मिलेट्स) के क्षेत्र में, यहां पर उत्पादित शहद के क्षेत्र में, होम स्टे के क्षेत्र में, और स्वयं सहायता समूहों को सहयोग के साथ-साथ पलायन को रोकने हेतु शोध एवं अनुसंधान के माध्यम से सहयोग करें।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के विकास एवं प्रगति में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से विशिष्ट शोध की अपेक्षा की जो राज्य हित में हो और यहां के लोगों के जीवन उन्नयन में सहायक हो। राज्यपाल ने कहा कि हमारे प्रदेश के निजी विश्वविद्यालय नि:संदेह गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा को रोजगारपरक बनाकर इस क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहें हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय में विश्वविद्यालयों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेटा तथा क्वांटम जैसी नवीन तकनीकों को अपनाकर उसमें शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा। राज्यपाल ने इस बात पर भी प्रसन्नता जताई कि सभी विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को महत्व देने के साथ ही बच्चों को इस ओर प्रेरित कर रहे हैं।

बैठक में ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय जसोला ने निजी विश्वविद्यालयों को एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए बनाए गए डैशबोर्ड ''यूनिसारांश'' के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। कुलपति ने प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि इस डैशबोर्ड में राज्य के सभी निजी विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है जिसमें विश्वविद्यालयों की उपलब्धियां, बेस्ट प्रैक्टिसेज, शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्लेसमेंट, नवाचार एवं अनुसंधान, पेटेंट, किए गए एमओयू, आदि की जानकारी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों से इसमें सूचनाएं अपडेट करने का अनुरोध किया। राज्यपाल ने उक्त पोर्टल को बनाने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। बैठक में कुलपतियों द्वारा उनके विश्वविद्यालय में अपनायी जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज, उपलब्धियों व अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने राज्य के विकास हेतु विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं शोध पर जानकारी दी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तुत उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस बैठक में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव उच्च शिक्षा डॉ रंजीत सिन्हा, विधि परामर्शी अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया के अलावा सभी निजी विश्वविद्यालयों के अध्यक्ष, कुलाधिपति एवं कुलपति उपस्थित रहे।

शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती परीक्षा के विरोध में किया जोरदार प्रदर्शन

(शिक्षा का अधिकार)

हरिद्वार। प्रधानाचार्य सीधी भर्ती परीक्षा के विरोध में राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जनपद के 103 राजकीय हाईस्कूल एवं इंटर कॉलेजो में सेवारत हजारों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संघ के जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सैनी एवं मंत्री रविन्द्र रोड के नेतृत्व में एकत्र होकर मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय, रोशनाबाद हरिद्वार में जोरदार प्रदर्शन किया, जिसमें जनपद के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं धरने को सफल बनाने के लिए सामूहिक अवकाश लेकर सम्मिलित हुए हजारों शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सैनी ने संघ के सफलतम धरनो एवं आन्दोलनों की याद दिलाते हुए उपस्थित सभी शिक्षकों में जोश भरते हुए कहा कि शिक्षक समाज सदैव विभाग व सरकार के साथ मजबूती के साथ खड़ा रहता है। परन्तु खेद का विषय है कि सरकार की सोच शिक्षक विरोधी है। यहां तक कि पूर्व समय में सदी की सबसे बड़ी त्रासदी कोरोना काल मे भी शिक्षक समाज ने सबकी सेवा कर अपनी सम्मानजनक उपस्थिति दर्ज कराई थी। साथ ही अध्यक्ष ने बात दोहराते हुए कहा कि शिक्षक समाज शिक्षण कार्य के अतिरिक्त चुनाव, मतगणना, जनगणना, आपदा प्रबंधन आदि सभी कार्यों में सरकार के साथ पूर्ण सहयोग से कार्य करते हैं। लेकिन जब शिक्षकों के हित की बात आती है तो सरकार/विभाग शिक्षकों की मांगों पर सन्तोषजनक विचार और निर्णय नहीं लेते। पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार क्रमबद्ध तरीके से राज्य के सभी शिक्षकों ने 2 सितम्बर को चॉकडाउन एवं 5 सितम्बर शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह से दूरी बनाकर रखी लेकिन अभी तक भी विभाग का कोई सन्तोषजनक जवाब न आने के कारण जनपद हरिद्वार सहित राज्य के तीस हजार शिक्षकों को आज सामूहिक अवकाश लेकर जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करना पड़ा।

जिला मंत्री रविन्द्र रोड ने सभी उपस्थित शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि शिक्षकों की उपस्थिति प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के विरोध को जगजाहिर करती है और चुनाव से लेकर अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में विभाग और प्रशासन को सहयोग देने वाला शिक्षक आज अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है। जिला संरक्षक लोकेश कुमार ने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विभाग/सरकार कुछ चंद शिक्षकों को लाभ देने के लिए सभी शिक्षकों की अनदेखी कर रहा है यदि अभी भी हमारी बात को नहीं सुना गया तो अब शिक्षक आर-पार की लड़ाई लड़ेगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा, संयुक्त मंत्री चन्द्रपाल धीमान, जिला संगठन मंत्री प्रशांत बुडोला, जिला कोषाध्यक्ष मान सिंह, ब्लॉक लक्सर अध्यक्ष सन्त कुमार, तेजपाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रूड़की सतेन्द्र कुमार, ब्लॉक मंत्री लाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष नारसन राजकुमार सैनी, ब्लॉक मंत्री पवन राणा, प्रमोद कपरूवाण, प्रीतम सैनी, मांगेराम मौर्य, यशपाल सिंह, संदीप सिंह, संदीप कपिल, विनोद यादव, प्रवीण, आलोक कुमार, डॉ. नवीन सैनी, रविन्द्र ममगाई, सतीश सैनी, ओमपाल सैनी, अजय सैनी, अशोक कुमार, रविन्द्र धीमान, बालेश सिंह, संदीप सैनी, विवेक सैनी, राजेश सैनी, विपिन बंसल, संतोषी नेगी, अनु सैनी, अनिता वर्मा, कविता रानी, उत्तम शर्मा, शिवानी पुण्डीर, तबस्सुम, तंजीम अली, गुलशेर, बबीता चौहान, प्रवीण चौहान, संतोष चमोला, प्रीति सैनी, सुबोध, दिनेश वर्मा, गजेन्द्र सिंह, गजेन्द्र सिंघल, डायट प्राचार्य कैलाश डंगवाल, राजीव, वैष्णव, पदम चौधरी, दुर्गेश नन्दिनी, अनीता रावत, प्रियंका भारती, प्रतिभा सैनी, दिनेश लाल शाह आदि हजारों शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

अतिथि शिक्षिकाओं को मिलेगा 180 दिनों का प्रसूति मातृत्व अवकाश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत कार्यरत अतिथि शिक्षिकाओं को प्रसूती मातृत्व अवकाश की सुविधा उपलब्ध कराये जाने को महिला कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण के साथ शिक्षिकाओं के व्यापक हित में बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिथि शिक्षिकाओं की इससे संबंधित मांग पर कैबिनेट द्वारा निर्णय लेकर अब इसका शासनादेश भी जारी कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने भी इसे अतिथि शिक्षिकाओं के हित में लिया गया निर्णय बताया है। अतिथि शिक्षिकाओं को प्रसूती मातृत्व अवकाश की सुविधा प्रदान किये जाने के संबंध में सचिव शिक्षा रविनाथ रमन द्वारा आदेश जारी किया गया है। महानिदेशक शिक्षा को संबोधित पत्र में सचिव शिक्षा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि राज्य सरकार के नियत्रणाधीन विभागों, सस्थानों में विभागीय, बाह्य स्रोत के माध्यम से संविदा, तदर्थ, नियत वेतन पर नियोजित महिला सेवकों को प्रसूति अवकाश अनुमन्य किये जाने के सम्बन्ध में माध्यनिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत नियत वेतन पर कार्ययोजित अतिथि शिक्षिकाओं को 180 दिनों का प्रसूति अवकाश अनुमन्य किये जाने की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गयी है।

राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को किया सम्मानित

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर विधानसभा ऋषिकेश के राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी गईं।बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में डा. अग्रवाल ने सत्यमित्रानंद राजकीय इंटर कॉलेज हरिपुरकलां के प्रभारी प्रधानाचार्य विकास कुमार, राजकीय इंटर कॉलेज रायवाला से विजयमल सिंह यादव, राजकीय इंटर कॉलेज छिद्दरवाला से प्रमोद कुमार थपलियाल, रीता राजकीय इंटर कॉलेज गढ़ी श्यामपुर से राममिलन विश्वकर्मा, राजकीय इंटर कॉलेज खदरी से देवेंद्र सिंह कंडारी को शॉल, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

डा. अग्रवाल ने पूर्व राष्ट्रपति, शिक्षाविद् एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए कहा कि शिक्षक सही मायने में राष्ट्र निर्माता हैं। विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर उन्हें योग्य नागरिक बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान तो देते ही है समाज को नई दिशा में भी उनकी बडी भूमिका होती है डा. अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के विकास के लिये संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में भी शिक्षकों की महत्वपूर्ण सहभागिता रहती है। कहा कि वही देश और समाज आगे बढते हैं जहां गुरुजनों का सम्मान होता है। हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान की महान भारतीय परम्परा को और अधिक मजबूत बनाना है डा. अग्रवाल ने इस अवसर पर विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भारतीय परम्परा का पालन करते हुए श्रेष्ठ नागरिक बनकर देश व प्रदेश के विकास में सहभागी बनें।

कन्या गुरुकुल की छात्राओं अब मिलेगी बस की सुविधा

हरिद्वार । गुरूकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के कन्या गुरूकुल परिसर में सोमवार से अध्यनरत खेल की छात्राओं के लिए बस की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विगत वर्षों से कन्या गुरूकुल परिसर में बीए एवं बीएससी की शिक्षा प्रारम्भ हो गई है। जिसके साथ-साथ छात्राऐं खेलों की शिक्षा भी गृहण कर रही है। जिसके चलते कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार से दयानन्द स्टेडियम गुरूकुल कांगड़ी तक जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्राओं के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके चलते छात्राऐं अब आसानी से कन्या गुरूकुल परिसर हरिद्वार से दयानन्द स्टेडियम में पहुंच खेलों में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा को बढ़ा पायेगी।कन्या गुरूकुल हरिद्वार की प्रभारी प्रो. सुरेखा राणा और एफईटी के डीन विपुल शर्मा ने संयुक्त रूप से बस को फीता काट कर कन्या गुरूकुल परिसर से स्टेडियम के रवाना किया। इस अवसर पर समविश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. हेमलता के ने कन्या गुरूकुल परिसर की छात्राओं को अपनी ओर से शुभकांमनाऐं प्रेषित की।

सरकार शिक्षकों के प्रकरणों को लेकर गंभीरः डॉ. धन सिंह रावत

वित्त, कार्मिक व न्याय विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

देहरादून(शिक्षा का अधिकार)। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज अपने शासकीय आवास पर शिक्षकों के लम्बित प्रकरणों को लेकर कार्मिक, वित्त एवं न्याय विभाग के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें दो दिन के भीतर शिक्षकों की उचित मांगों पर निर्णय लेने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों के तमाम प्रकरणों को लेकर गंभीर है।

इस संबंध में उनकी सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी वार्ता हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बैठक में शिक्षकों की जायज मांगों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ ही अन्य परामर्शी विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है। जिसमें

शिक्षकों की मांगों का शीघ्र निस्तारण के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये है। इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के साथ एक बार पुनः बैठक कर अंतिम निर्णय लिये जाने की बात कही है। जिसमें वित्त, कार्मिक एवं न्याय विभाग के उच्चाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। बैठक में राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती के प्रावधानों में परिवर्तन करने, सहायक अध्यापकों की प्रोन्नति, सीआरपी-बीआरपी के रिक्त पदों को भरने, जीर्ण-शीर्ण विद्यालयों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्यों सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने बताया कि कई शिक्षक अपनी वरिष्ठता को लेकर न्यायालय की शरण में गये हैं जिस कारण वरिष्ठता की सूची का निर्धारण नहीं हो पा रहा है। जिसके चलते सहायक अध्यापकों की पदोन्नति भी लम्बित है। बैठक में अपर मुख्य सचिव वित्त एवं कार्मिक आनंद वर्द्धन, प्रमुख सचिव न्याय प्रदीप पंत, सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रमन, अपर सचिव कार्मिक ललित मोहन रयाल, अपर सचिव वित्त गंगा प्रसाद, अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा एम.एम. सेमवाल, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी, निदेशक एससीईआरटी बंदना गर्ब्याल, अपर निदेशक विद्यालयी शिक्षा डॉ. मुकुल सती सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व साक्षरता दिवस पर लोगों को साक्षर बनाने के लिये प्रयास करने वाले शिक्षकों को किया सम्मानित

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने विश्व साक्षरता दिवस पर लोगों को साक्षर बनाने के लिये प्रयास करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि किसी को साक्षर बनाना सबसे बड़े परोपकारों में से एक है।बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डा. अग्रवाल ने गुमानीवाला की सेतु फाउंडेशन की संस्थापिका सरिता भट्ट, हरिपुरकलां के राजन बडोनी, गीतानगर के जयपाल त्यागी, मायाकुंड के अजयदास, ऋषिकेश के मुकेश अग्रवाल, वीपी भारद्वाज, रायवाला के आशु सैनी, अभिषेक पठोयी को शॉल ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। डा.अग्रवाल ने कहा कि यूनेस्को ने 1966 में अपने 14वें आम सम्मेलन के दौरान आधिकारिक तौर पर 08 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में घोषित किया। इसके ठीक एक साल बाद, 8 सितंबर, 1967 को, दुनिया ने पहली बार इस खास दिन को मनाया, जिसने एक महत्वपूर्ण वैश्विक पालन की शुरुआत की भारत में भी इसको लेकर कई प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षक दिवस पर महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल में किया शिक्षकों को सम्मानित

हरिद्वार। शिक्षक दिवस के अवसर पर महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किए जाने वाले शिक्षकों में महिला विद्यालय की सेवानिवृत्त प्रोफेसर अरूणा मिश्रा, भल्ला इंटर कालेज के जीव विज्ञान के शिक्षक सुभाषचंद्र शर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज सेक्टर-1 के भौतिकी विज्ञान के शिक्षक राजेंद्र सिंह, डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल की शिक्षिका अर्चना अवधेश पुरी, श्री उदासीन संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षक डा.श्याम बिहारी तथा पत्रकार कुणाल दर्गन, जिला सेवायोजन अधिकारी उत्तम कुमार को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक डा.विशाल गर्ग ने कहा कि शिक्षक ही छात्र-छात्राओं के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक और शिक्षा के बीच अटूट रिश्ता रहता है। उन्होंने कहा कि स्कूल कालेजों में शिक्षा ग्रहण कर युवा पीढ़ी देश की तरक्की में अपना योगदान देती है। इंजीनियर, डॉक्टर बनकर युवा पीढ़ी राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर रही है। शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सदैव ही स्मरण किया जाएगा।

माउंट मैरी स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस

ऋषिकेश(शिक्षा का अधिकार)। माउंट मैरी स्कूल हरिपुर कलां देहरादून में शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा वशिष्ठ ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है।

इसी के साथ उन्होंने सभी अध्यापिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को शिक्षक दिवस एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। शिक्षक दिवस के उपलक्ष में स्कूल में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने अपने-अपने स्तर पर कार्यक्रम किये। शिक्षा दिवस के उपलक्ष में छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं हास्य कविता एवं नृत्य किया गया। भारत में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है, जो कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन है। उन्होंने अपने छात्रों से इच्छा

व्यक्त की कि वे उनके जन्मदिन पर शिक्षक दिवस मनाएँ। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक विनीत शर्मा ने कहा कि शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग-अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। और साथ ही साथ उन्होंने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में श्रीमती अनीता शर्मा, श्रीमती ज्योति असवाल, श्रीमती अलका पवार, श्रीमती इंदु ढौंडियाल, श्रीमती बबीता रावत, श्रीमती आरती रावत, श्रीमती रिनीता धस्माना, श्रीमती माधुरी नेगी, श्रीमती अंकिता शर्मा, श्रीमती कौशल्या गौड, श्रीमती पूनम शर्मा, श्रीमती रेनू गोयल, श्रीमती नंदिता, श्रीमती वीणा रावत, श्रीमती श्वेता भट्ट, श्रीमती दीप्ति शर्मा, श्रीमती नंदीता बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित

हरिद्वार (शिक्षा का अधिकार)। उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन आर्य इंटर कॉलेज, बहादराबाद में किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मिश्रा की अध्यक्षता एवम् प्रांतीय महामंत्री जगमोहन सिंह रावत तथा हरिद्वार जिलाध्यक्ष राजेश सैनी के संयुक्त संचालन में सम्पन्न बैठक में नवनियुक्त प्रांतीय कार्यकारिणी का स्वागत किया गया।

प्रांतीय महामंत्री ने जनवरी माह में देहरादून में सम्पन्न गत प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक और दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन की कार्यवाही का वाचन किया, जिसकी सदन ने हाथ उठाकर पुष्टि की। प्रांतीय अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मिश्रा ने अपने प्रस्तावना सम्बोधन में नव नियुक्त प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवम् सदस्यों का अभिनंदन करते हुए आशा व्यक्त की कि पुराने कार्यकर्ताओं के साथ साथ नए कार्यकर्ता भी संगठन के लिए तन मन धन से कार्य करेंगे।

संगठन की सलाहकार परिषद के प्रांतीय संयोजक इवी कुमार ने आह्वान किया कि निष्ठा, लगन और समर्पण के बिना संगठन की मजबूती की कल्पना नहीं की जा सकती। कहा कि संगठन में वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता बहुत आवश्यक है। प्रांतीय संरक्षक भोपाल सिंह सैनी ने नए कार्यकर्ताओं को अपनी शुभकामना देते हुए कहा कि हमारी सेवा सुरक्षा, संगठन की मजबूती पर निर्भर करती है, इसलिए संगठन को मजबूत करते रहना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रांतीय संरक्षक डा.अनिल शर्मा ने यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आसानी से हल हो जाने वाली समस्याओं के समाधान की दिशा में भी परिणाम शून्य है। प्रांतीय महामंत्री जगमोहन सिंह रावत ने कहा कि अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। सरकार, शासन और विभाग निरन्तर अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों की अनदेखी कर रहा है। कहा कि चरणबद्ध आंदोलन के साथ साथ अर्द्धवर्षिक परीक्षा का बहिष्कार करने का निर्णय लेने के लिए भी बाध्य होना पड़ेगा। अक्टूबर माह में जनपदों के चुनाव सम्पन्न करा लिए जायेंगे। शीघ्र ही चुनाव अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की सूची जनपदों को भेज दी जायेगी। भविष्य में आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवम् प्रांतीय संरक्षक डा.अनिल शर्मा की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई, जिसमें सदस्य के रूप में सलाहकार समिति के प्रांतीय संयोजक ईवी कुमार और दोनो मंडल अध्यक्षों को रखा गया है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिंह वर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष अश्वनी शर्मा, डा.कुंदन सिंह बोहरा, प्रांतीय मंत्री सुनील कटारिया, मनोज रौथाण, रवीन्द्र सिंह, विधि सलाहकार आशीष श्रीवास्तव, प्रांतीय प्रवक्ता कौशलेंद्र गुप्ता, प्रांतीय मीडिया प्रभारी अश्वनी कुमार गुप्ता, संकल्प पत्रिका के संपादक अजय बिष्ट, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद कुमार, डा.उमेश कुमार, सुषमा चौधरी, पूनम सजवाण, आदि अनेक प्रांतीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक पूजा अग्रवाल द्वारा किरण प्रिंटिंग प्रेस, विष्णु गार्डन, निकट गुरूकुल कांगड़ी फार्मेसी, कनखल-हरिद्वार से मुद्रित कराकर नक्षत्रम् निकट रामऔषधालय, मौ0 होली, कनखल-हरिद्वार से प्रकाशित किया।

सम्पादक

पूजा अग्रवाल

मोबाइल- 9359380850